I Have a Dream Summary in Hindi

'I have a dream' मार्टिन लूथर किंग द्वारा दिया गया एक भाषण है जिसे उन्होंने लिंकन मेमोरियल, वाशिंगटन में 28 अगस्त 1963 को दिया था । इस महान अमेरिकन ने Emancipation Proclamation पर हस्ताक्षर किए थे । इसने करोड़ों हब्शी नौकरों के मन में आशा की एक किरण जमा दी थी। इसने उन्हें चाकरी की अंधेरी रात के बाद आजादी के नये सवेरे की आस जगा दी थी ।

लेकिन अब एक दशक बाद हम पाते हैं कि हब्शी अभी भी भेदभाव और अलगाव की बेड़ियों से जकड़े हुए हैं । अब हब्शी समाज से अलग-थलग गरीबी में जीवन बिताते हैं और अपने ही देश में निर्वासित व्यक्तियों की तरह रहने को मजबूर हैं । अमेरिका हब्शियों के प्रति अपने कर्त्तव्य का पालन नहीं कर रहा है और उन्हें सुविधाएँ देने के बजाय उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है । किंग कहते हैं कि यद्यपि उनका राष्ट्र उन्हें सहारा नहीं दे रहा है लेकिन उन्हें न्याय जरूर मिलेगा और वे भी स्वतंत्र होंगे । वे कहते हैं कि यह चुपचाप बैठने का समय नहीं है यह तो भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने का समय है । वे कहते हैं कि यह राष्ट्र उन्हें कमजोर न समझे । वे तब तक संतुष्ट नहीं होंगे जब तक उन्हें आजादी नहीं मिलती । 1963 उनके संघर्ष का अंत नहीं है, यह तो एक नई क्रांति की शुरूआत है । यह क्रांति तब तक चलेगी 'जब तक प्रभेदवाद की जड़ें हिल न जाएँ । वे कहते हैं कि यह क्रांति शांतिपूर्ण ढंग से होगी और इसमें शारीरिक हिंसा , नहीं होगी । हम दुराचारियों का मुकाबला सद्व्यवहार से करेंगे । वे कहते हैं कि सारे अमेरिकन ऐसे नहीं हैं, कुछ गोरे लोग मानते हैं कि उनकी और हमारी मंजिल एक है। वो कहते हैं कि बहुत सारे लोगों ने आजादी की खातिर बहुत जुल्म सहे हैं पर उन्हें यह विश्वास रखना चाहिए कि कर्म का फल अवश्य मिलता है ।

वे कहते हैं कि हमें घर इस उम्मीद के साथ जाना चाहिए कि हम जरूर सफल होंगे और हमें न्याय मिलेगा । वे बताते हैं कि इतनी रूकावटों के बावजूद उनका एक सपना है । उनका सपना है कि उनका देश भेदभाव से मुक्त हो । उनका सपना है कि नौकरों और मालिकों के बच्चे एक साथ भाईचारे की मेज पर बैठें । उनका सपना है कि मिसीसिप्पी, जो अन्याय और बुराई की आग में जल रहे हैं वो न्याय और आजादी से शांत हो जाएँगे । उनका सपना है कि उनके बच्चे अपने रंग की वजह से भेदभाव का शिकार न हो बल्कि अपने गुणों से पहचाने

जाएँ । उनका सपना है कि अल्बामा में काले और गोरे बच्चे एक साथ हाथ-में-हाथ लिये चलें । उनका सपना है कि रंग जाति के आधार पर किए गए भेदभाव खत्म हो जाएँ । वे कहते हैं कि उनका सपना साकार जरूर होगा और वो आजादी के रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं को पार कर लेंगे । एक दिन वह दिन आएगा जब हर ओर आजादी का साम्राज्य होगा । इस दिन ईश्वर के सभी बच्चे उन्हें शुक्रिया अदा करेंगे । इस दिन हर जाति, हर रंग के लोग हाथ में हाथ लिए बोलेंगे और ईश्वर का धन्यवाद करेंगे ।